AMAR UJALA MY CITY Page 1

टेंशन होगी छूमंतर, हंसते-मुस्कुराते होगी पढ़ाई

सचिन त्रिपाठी

लविवि की पहल, छात्रों में सकारात्मकता के लिए स्थापित करेगा हैप्पी थिंकिंग लैब

लखनऊ। तनाव, अवसाद व नकारात्मक विचारों से जूझते युवाओं में सकारात्मकता का संचार करने के लिए लविवि हैप्पी थिंकिंग लैब की स्थापना करेगा। मनोविज्ञान विभाग में स्थापित होने वाली इस लैब में विद्यार्थियों का मनो-अध्यात्मिक विकास किया जाएगा। इस लैब के जरिए युवाओं को चिंता, परेशानी, रिश्तों के प्रति असुरक्षा जैसी भावना से निपटने के तरीके बताए जाएंगे। साथ ही विद्यार्थियों पर इनके प्रभाव की गणना की जाएगी। एलयू तीन अन्य केंद्रों की स्थापना भी करेगा।

मनोविज्ञान विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. मधुरिमा प्रधान ने बताया कि अपने शोध के दौरान उन्होंने देखा कि विद्यार्थियों में नकारात्मक विचार हावी हो रहे हैं। भारतीय दर्शन और संस्कृति में इसका समाधान है। हमारे वेद, ग्रंथ, पुराण आदि में इसका वर्णन है। इनके अनुसार हम भौतिक सामग्री में आनंद नहीं तलाश सकते हैं। यह आनंद हमें अपने आप से जुड़कर ही मिल सकता है। विद्यार्थियों का मनो-अध्यात्मिक विकास करके विद्यार्थियों को इस नकारात्मकता से बाहर निकाला जा सकता है। इसलिए विभाग में हैप्पी थिंकिंग लैब की स्थापना की जा रही है। यह लैब विद्यार्थियों को खुश रहने के तरीके बताएगी। लैब में थ्योरी के साथ ही योग और ध्यान जैसी प्रायोगिक क्रियाएं भी विद्यार्थियों को सिखाई जाएंगी। लैब की सबसे बड़ी खासियत विद्यार्थियों पर इन तरीकों और क्रियाओं के असर को मापने की व्यवस्था होना भी होगी। इस तरह से इस लैब के माध्यम से अपनाए जा रहे उपायों का प्रभाव भी जांचा जा सकेगा। मनोविज्ञान विभाग के विद्यार्थियों के साथ ही चॉयस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम में अन्य विभाग के विद्यार्थी भी इससे जुड़ सकेंगे।

लविवि हैप्पी थिंकिंग लैब के साथ खाद्य समस्या की गंभीरता को देखते हुए फूड प्रोसेसिंग सेंटर की भी शुरुआत करेगा। लविवि ने फूड प्रोसेसिंग और हैप्पी थिंकिंग लैब के साथ ही कलाम इनोवेशन सेंटर और हाइड्रो कॉर्बन सेंटर की शुरुआत भी करेगा। इन संस्थानों में स्टूडेंट्स के लिए डिग्री, डिप्लोमा, सर्टिफिकेट कोर्स भी चलाए जा सकेंगे।

फूड प्रोसेसिंग सेंटर की भी होगी स्थापना

इनका प्रस्ताव कार्य परिषद से पास हो चुका है। लविवि कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि फूड प्रोसेसिंग इंस्टीट्यूट में इंटरनेशनल लैब बनाने का प्रस्ताव भी है। इस लैब को नेशनल एक्रेडिएशन बोर्ड फॉर टेस्टिंग एंड कैलिबरेशन लैबोरेटरीज (एनएबीएल) से प्रमाणित कराने की योजना है। इसके बाद इस प्रयोगशाला में जांचे गए खाने के सैंपल को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी मान्यता मिल सकेगी। साथ ही संस्थान में फूड प्रोसेसिंग और तकनीक पर आधारित कई कोर्स चलेंगे। इसके अलावा कलाम सेंटर फॉर इनोवेशन की स्थापना इंजीनियरिंग संकाय के अधीन की जाएगी। इसमें विद्यार्थी अपने नवाचार के विचारों को प्रयोगों के माध्यम से वास्तविकता में बदलेंगे। ओएनजीसी सेंटर में हाइड्रो कार्बन संस्थान की स्थापना होगी।

राजधानी में इस तरह की पहली लैब

मनोविज्ञान विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. मधुरिमा प्रधान के अनुसार लखनऊ में किसी विश्वविद्यालय में यह अपनी तरह की पहली लैब होगी। गुजरात विवि में इस तरह की लैब स्थापित है। शांतिकुंज, विपश्यना ध्यान केंद्र, ब्रह्मकुमारी आदि में भी ऐसी लैब हैं। इनमें आने वालों की संख्या को देखकर इनके प्रभाव का अंदाजा लगाया जा सकता है।

i-Next Page 4

डिप्लोमा कोर्स की सीटों में होगा बदलाव

CONCEPT PIC

लखनऊ यूनिवर्सिटी नए सत्र में करने जा रही बदलाव

LUCKNOW (5 July) : एलयू ने सत्र 2020-21 से डिप्लोमा पाठ्यक्रमों में बदलाव करने जा रहा है. पाठ्यक्रमों की 50 प्रतिशत से कम पाठ्यक्रम न संचालित करने के फैसले के साथ सीटों की संख्या और फीस में भी बदलाव कर रहा है. यह फेरबदल पिछले वर्षों में डिप्लोमा पाठ्यक्रमों में दाखिले न होने के कारण किया जा रहा है. विश्वविद्यालय प्रशासन के स्तर पर बनाई गई समिति इस पर निर्णय ले रहे हैं. कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि डिप्लोमा पाठ्यक्रमों के नए रूप में तैयार करके इस एकेडमिक काउंसिल में रखा जाएगा.

बदल सकती हैं सीटें

वीसी प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि कई डिप्लोमा पाठ्यक्रमों की सीटें कम है और आवेदन काफी ज्यादा आते हैं. इसी तरह कई में सीट ज्यादा और आवेदन कम हैं. इसको ध्यान में रखते हुए सीट की संख्या में भी बदलाव किया जा रहा है. विश्वविद्यालय ने ऑनलाइन डिप्लोमा पाठ्यक्रम भी शुरू करने की तैयारी है. इसके लिए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से विशेष अनुमति के प्रयास हो रहे हैं.

TOI Page 2

New sports facilities await LU students

Mohita.Tewari@timesgroup.com

Lucknow: An open-air gym and a multipurpose stadium will be among the new sports facilities which will greet students on Lucknow University campus when they return once the Covid-19 threat subsides.

These facilities are being funded via grants from Rashtriya Uchchatar Shiksha Abhiyan and are expected to be completed within the next three to four months. The other sports facilities which are being readied on LU'campus include a new sports ground with lush grass turf.

The old basketball court on the Arts Quadrangle Ground in the old campus will be revamped with a new grass turf for students to play sports like basketball, football, volleyball and cricket.

An open-air gym will come up on the ground opposite Tagore Library and would feature fitness equipment like chest press chair, sit up and push up benches, arms and legs strengthener, a crosswalker and a rowing station.

A multipurpose sports complex is being constructed on LU's second campus with indoor facilities. The university has also plans to host tournaments in the complex.

"The new sports facilities will not only help students keep fit and groom budding sportspersons, but will also help LU score better in the National Assessment Accreditation Council evaluation," said LU vice-chancellor Alok Kumar Rai.

"The existing sports facilities on both the campuses and hostels are being upgraded. For example, Maharaj Singh Gymnasium in LU's old campus is being renovated and would get new treadmills and fitness equipment. A boxing ring has been set up on Paranjape Ground opposite the proctor's office," he added.

HINDUSTAN Page 4

लखनऊ विश्वविद्यालय में प्रवेश परीक्षा से होंगे दाखिले

लखनऊ विश्वविद्यालय की सेमेस्टर परीक्षाएं कब होंगीं? अगर अगली कक्षा में प्रोन्नत किया जाता है तो उसका फॉर्मूला क्या होगा? विश्वविद्यालय में शैक्षिक सत्र 2020-21 के दाखिले कैसे लिए जाएंगे? प्रवेश परीक्षा देनी होगी या मेरिट पर दाखिले होंगे? हिन्दुस्तान हेल्पलाइन में रविवार को लखनऊ विश्वविद्यालय से जुड़े ऐसे ही कई सवाल पूछे गए। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने इनका बड़ी बेबाकी से जवाब दिया। उन्होंने कई अभिभावकों और छात्रों को बेहतर कॅरियर बनाने के विकल्प भी बताए।

प्र—विवि में दाखिले के लिए कैसे होंगे? - पूजा, छात्रा

- दाखिले प्रवेश परीक्षा से होंगे। कोरोना संक्रमण के मौजूदा हालातों को देखते हुए अभी तिथि जारी नहीं की गई है। 15 जुलाई तक आवेदन होने हैं। जैसे ही स्थितियां सामान्य होंगीं, हम तिथियां घोषित कर देंगे। 31 जुलाई तक सब बंद है। उसके बाद ही आगे की प्रक्रिया होगा।

प्र—प्रवेश के लिए फॉर्म जमा किया है। इसी फॉर्म पर दूसरे महाविद्यालय में प्रवेश हो जाएगा? - सुषमा, छात्रा

- बिलकुल हो जाएगा। विश्वविद्यालय इस बार केन्द्रीकृत प्रवेश प्रक्रिया लेकर आ रहा है। जो भी कॉलेज इसमें शामिल होने के लिए सहमति जताएंगे, उनमें प्रवेश के लिए छात्रों को मौका मिल जाएगा। काउंसलिंग में शामिल होने वाले ऐसे कॉलेजों की सूची आठ जुलाई तक सार्वजनिक करने की तैयारी है।

प्र—बेटी ने इंटर में 71 प्रतिशत अंक हासिल किए हैं। उनके लिए कौन सा प्रोफेशनल कोर्स कराया जा सकता है? यशवंत, अभिभावक

- एलयू में बीसीए, बीबीए का विकल्प है। बीजेएमसी भी एक विकल्प है लेकिन, यह विश्वविद्यालय में नहीं होता है। हमारे कुछ कॉलेजों में संचालित होता है। पांच वर्षीय एमबीए पाठ्यक्रम भी है।

प्र—बीसीए या बीबीए की पढ़ाई करने के बाद क्या बीएड किया जा सकता है? सुलेमान, अभिभावक

- बीसीए या बीबीए दूसरे स्नातक पाठ्यक्रमों जैसे ही हैं। इन पाठ्यक्रमों के बाद भी बीएड करने का विकल्प खुला रहेगा।

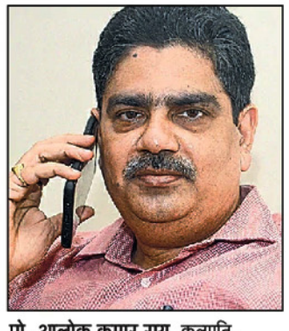

प्रो. आलोक कुमार राय, कुलपति, लखनऊ विश्वविद्यालय

प्र—बीए अन्तिम वर्ष की परीक्षाएं 7 जुलाई से होनी थीं। क्या परीक्षा होगी? मो. सुहैल, अभिभावक

- फिलहाल, विश्वविद्यालय ने अपनी परीक्षाओं को स्थगित कर दिया है। परीक्षाएं कराई जाएंगी या नहीं? इस पर अन्तिम फैसला सरकार की ओर से लिया जाना है।

प्र—मैं. बी.कॉम का छात्र हूं। परीक्षाएं कब होंगी? मो. अरशद अंसारी

- इस पर सरकार के स्तर पर फैसला लिया जा रहा है। विश्वविद्यालय ने अपनी परीक्षाएं स्थगित कर दी हैं।

प्र— विवि की केन्द्रीकृत प्रवेश प्रक्रिया से कॉलेज कैसे जुड़ सकते हैं? अभिषेक सिंह, कॉलेज संचालक

- सभी कॉलेजों को इस संबंध में निर्देश भेजे गए हैं। कॉलेज जिस भी विषय की काउंसलिंग में शामिल होना चाहते हैं, उसकी सूचना विवि को भेज दें। काउंसलिंग के दौरान कॉलेज कोड के आधार पर उनका नाम विकल्प के रूप में छात्रों के पास उपलब्ध होगा।

प्र— पिछले साल पढ़ाई नहीं हो पाई। क्या आगे परीक्षा कराने से पहले क्लास होगी?

- परीक्षाओं को लेकर स्थित स्पष्ट नहीं है। जैसा मीडिया में देखने को मिल रहा है, उस हिसाब से सरकार प्रमोशन की ओर रुख कर रही है। इस संबंध में हमारे पास कोई आधिकारिक सूचना भी नहीं है।

प्र—लखनऊ विश्वविद्यालय में बीए की फीस क्या होगी? प्रवेश के लिए आवेदन कैसे करना होगा? सुरेखा, छात्रा

- www.lkouniv.ac.in पर जाकर आप ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। यहां सीट के साथ उनकी फीस का ब्योरा भी उपलब्ध है।

HINDUSTAN Page 6

डिप्लोमा में 50% दाखिलों पर पाठ्यक्रम का संचालन

लविवि

लखनऊ | वरिष्ठ संवाददाता

लखनऊ विश्वविद्यालय ने सत्र 2020-21 से डिप्लोमा पाठ्यक्रमों में बदलाव करने का फैसला लिया है। स्ववित्तपोषित पाठ्यक्रमों के 50 प्रतिशत से कम दाखिलों पर पाठ्यक्रम न संचालित करने का फैसला लिया है। साथ ही, सीट की संख्या और फीस में भी बदलाव किया जा रहा है।

पिछले वर्षों में डिप्लोमा पाठ्यक्रमों में दाखिले न होने के कारण फेरबदल किया जा रहा है। विश्वविद्यालय प्रशासन के स्तर पर बनाई गई समिति इस पर निर्णय ले रही है। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि डिप्लोमा पाठ्यक्रमों को नए रूप में तैयार करके अकेडमिक काउंसिल में रखा जाएगा।

वर्तमान में डिप्लोमा पाठ्यक्रम एडऑन कोर्स के रूप में उपलब्ध है। यानी सिर्फ विश्वविद्यालय में दाखिला लेने वाले छात्र ही इन पाठ्यक्रमों को पढ़ सकते हैं। नए सत्र में इसमें बाहर से भी प्रवेश लिए जाने की तैयारी है। प्रोफेशनल्स से अतिरिक्त शुल्क भी लिया जाएगा।

सीटों की संख्या भी बदलेगी

कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि कई डिप्लोमा पाठ्यक्रमों की सीटों की संख्या कम है और आवेदन काफी ज्यादा आते हैं। इसी तरह कई में सीट ज्यादा और आवेदन कम हैं। इसको ध्यान में रखते हुए सीटों की संख्या में भी बदलाव किया जा रहा है। ऑनलाइन डिप्लोमा पाठ्यक्रम भी शुरू करने की तैयारी है। इसके लिए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से विशेष अनुमति लिए जाने के प्रयास किए जा रहे हैं।